भजन

मेरा साकी है मतवाला मैं तो पीऊंगी
जामें अर्श बड़ा है आला मैं तो पीऊंगी
जलवों में उनकी खुद को भुलाना मैं तो पीऊंगी

1– आज तो मौज में बैठे,लेकर इश्क सुराही
कुछ न कहा है जुबां से,फिर भी पिलाई मनचाही
इक अपना तो था हमने पाना मैं तो पीऊंगी

2– आंखों में भरके मस्ती,कैसी अदा से निहारा
अब तो पिया बस तेरी,आंखों का हमको सहारा
आंखें पिया का है मयखाना मैं तो पीऊंगी

3– प्याले पे प्याले पिलाये,मेहर कर दी मेहरबां
आज मैं दिल का आलम,कैसे कर दूं ब्यान
होश ने खुद ही होश न पाया मैं तो पीऊंगी